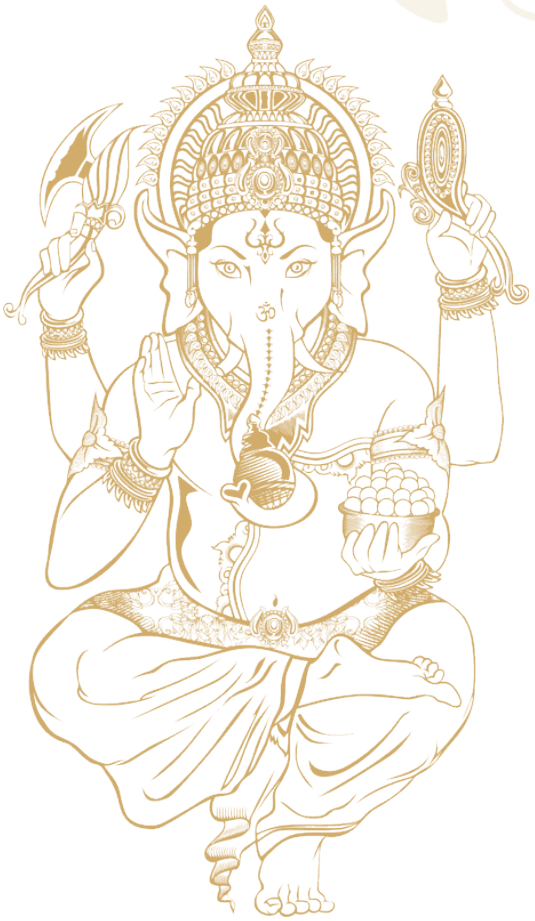

Mr.

21 Jun 1999

03:00 AM

Churu

Model: web-freekundliweb

Order No: 120256902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20-21/06/1999**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	53:36:41 घटी
स्थान	**Churu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:18:00 उत्तर
रेखांश	75:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:30:00 घंटे
वेलान्तर	-00:01:24 घंटे
साम्पातिक काल	20:24:36 घंटे
सूर्योदय	05:33:19 घंटे
सूर्यास्त	19:29:31 घंटे
दिनमान	13:56:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	05:15:59 मिथुन
लग्न के अंश	24:23:23 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्यतिपात
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

पं. मनोज शास्त्री
घंटेल चूरू
8696109119
manojghantel@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	24:23:23	429:11:26	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मिथु	05:15:59	00:57:16	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	सम राशि
चंद्र			कन्या	06:50:33	12:26:35	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
मंगल			तुला	02:19:18	00:11:59	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
बुध			मिथु	29:08:25	01:21:14	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	स्वराशि
गुरु			मेष	04:54:29	00:10:23	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	20:16:38	00:52:37	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			मेष	19:23:43	00:06:07	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	20:08:56	00:00:17	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	20:08:56	00:00:17	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	22:35:45	00:01:22	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	10:01:02	00:01:15	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	14:43:55	00:01:30	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मक	09:58:46	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:46

लग्न-चलित

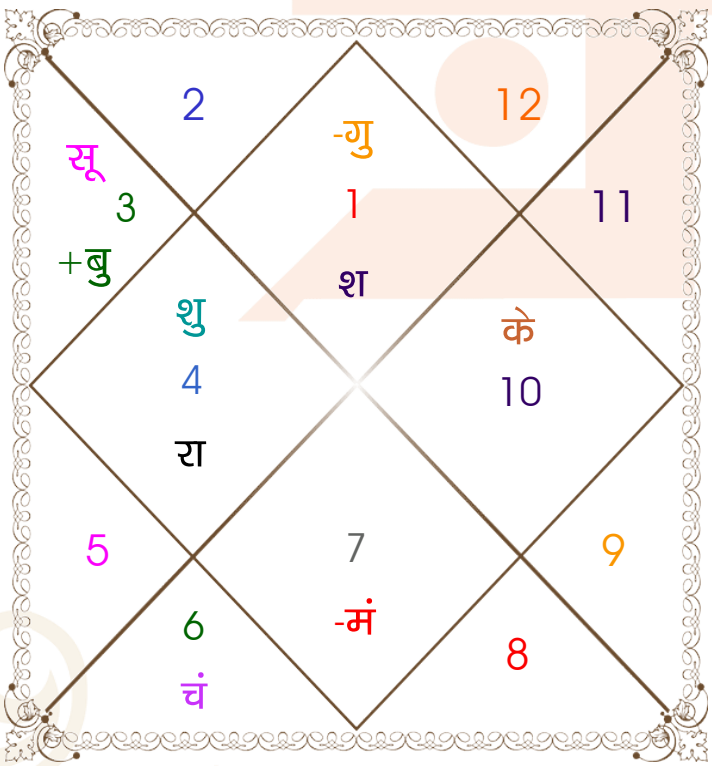

चन्द्र कुंडली

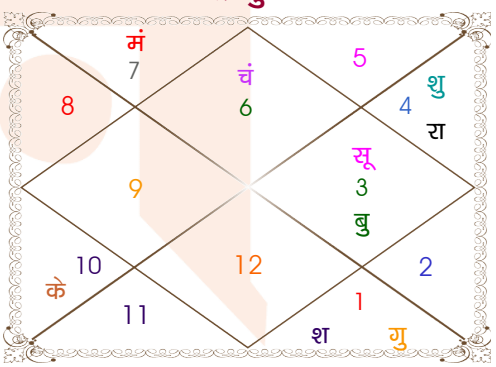

नवमांश कुंडली

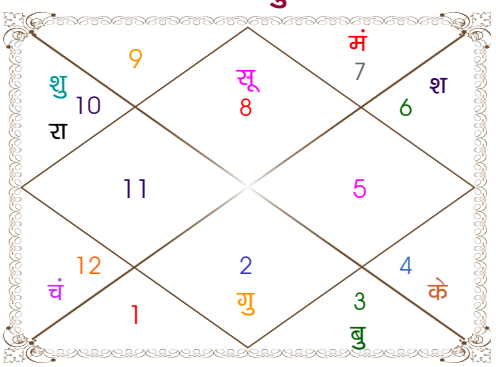

पं. मनोज शास्त्री
घंटेल चूरू
8696109119
manojghantel@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 5 मास 1 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/06/1999		21/11/2000		21/11/2010		21/11/2017		21/11/2035	
21/11/2000		21/11/2010		21/11/2017		21/11/2035		21/11/2051	
	00/00/0000	चंद्र	21/09/2001	मंगल	19/04/2011	राहु	03/08/2020	गुरु	09/01/2038
	00/00/0000	मंगल	22/04/2002	राहु	07/05/2012	गुरु	28/12/2022	शनि	22/07/2040
	00/00/0000	राहु	22/10/2003	गुरु	13/04/2013	शनि	03/11/2025	बुध	28/10/2042
	00/00/0000	गुरु	20/02/2005	शनि	22/05/2014	बुध	22/05/2028	केतु	04/10/2043
	00/00/0000	शनि	21/09/2006	बुध	20/05/2015	केतु	10/06/2029	शुक्र	04/06/2046
	21/06/1999	बुध	21/02/2008	केतु	16/10/2015	शुक्र	09/06/2032	सूर्य	23/03/2047
बुध	17/07/1999	केतु	21/09/2008	शुक्र	15/12/2016	सूर्य	04/05/2033	चंद्र	22/07/2048
केतु	21/11/1999	शुक्र	22/05/2010	सूर्य	22/04/2017	चंद्र	03/11/2034	मंगल	28/06/2049
शुक्र	21/11/2000	सूर्य	21/11/2010	चंद्र	21/11/2017	मंगल	21/11/2035	राहु	21/11/2051

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/11/2051		21/11/2070		21/11/2087		21/11/2094		22/11/2114	
21/11/2070		21/11/2087		21/11/2094		22/11/2114		00/00/0000	
शनि	24/11/2054	बुध	19/04/2073	केतु	19/04/2088	शुक्र	23/03/2098	सूर्य	12/03/2115
बुध	03/08/2057	केतु	16/04/2074	शुक्र	19/06/2089	सूर्य	23/03/2099	चंद्र	10/09/2115
केतु	12/09/2058	शुक्र	14/02/2077	सूर्य	24/10/2089	चंद्र	22/11/2100	मंगल	16/01/2116
शुक्र	12/11/2061	सूर्य	21/12/2077	चंद्र	26/05/2090	मंगल	22/01/2102	राहु	10/12/2116
सूर्य	25/10/2062	चंद्र	23/05/2079	मंगल	22/10/2090	राहु	21/01/2105	गुरु	28/09/2117
चंद्र	25/05/2064	मंगल	19/05/2080	राहु	09/11/2091	गुरु	22/09/2107	शनि	10/09/2118
मंगल	04/07/2065	राहु	06/12/2082	गुरु	15/10/2092	शनि	22/11/2110	बुध	22/06/2119
राहु	10/05/2068	गुरु	13/03/2085	शनि	24/11/2093	बुध	22/09/2113		00/00/0000
गुरु	21/11/2070	शनि	21/11/2087	बुध	21/11/2094	केतु	22/11/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 5 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पं. मनोज शास्त्री
घंटेल चूरू
8696109119
manojghantel@gmail.com

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

पं. मनोज शास्त्री
घंटेल चूरू
8696109119
manojghantel@gmail.com

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।

पं. मनोज शास्त्री
घंटेल चूरू
8696109119
manojghantel@gmail.com